भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

01 मई, 2018

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा कर्नाटक के श्रृंगेरी एवं मुदिगेरे (चिकमंगलूर) और हासन के अरकलागुदु में आयोजित विशाल जनसभाओं में दिए गए उद्बोधन के मुख्य बिंदु

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं। कर्नाटक की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' के प्रति अटूट आस्था जताते हुए श्री येदुरप्पा जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का मन बना लिया है

****

भारतीय जनता पार्टी की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने सुपारी और कॉफी उत्पादक किसानों की भलाई के लिये कई कदम उठाये हैं

****

पहले सुपारी की मिनिमम सपोर्ट प्रैस केवल 163 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जिसे मोदी सरकार ने बढ़ा कर 251 रुपये प्रति किलोग्राम करने का काम किया। हमारे सुपारी किसानों को अच्छा रेट मिले, इसलिए मोदी सरकार ने सुपारी के इम्पोर्ट पर 100% कस्टम ड्यूटी लगाई है

****

भारतीय जनता पार्टी अपने घोषणापत्र में इस बात को लाने वाली है कि राज्य में बनने वाली येदुरप्पा सरकार कर्नाटक में सुपारी के औषधीय गुणों पर रिसर्च के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से एक रिसर्च सेंटर स्थापित करेगी

****

कर्नाटक में कॉफी के बगीचे भी सूखते जा रहे हैं लेकिन सिद्धारमैया सरकार सो रही है

****

कॉफी उत्पादक किसानों की भलाई के लिए भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि कर्नाटक में येदुरप्पा सरकार बनने पर चिकमंगलूर में हर साल इंटरनेशनल कॉफ़ी व्यापार मेले का आयोजन किया जाएगा

****

कर्नाटक के विकास के लिये राज्य से सिद्धारमैया सरकार का जाना आवश्यक है और यह केवल भारतीय जनता पार्टी की येदुरप्पा सरकार ही कर सकती है

****

जनता दल (सेक्युलर) केवल कुछ वोट काट सकती है, वह कर्नाटक को सिद्धारमैया के कुशासन, भ्रष्टाचार, वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति से निजात नहीं दिला सकती

****

सिद्धारमैया सरकार के हाथ राज्य के किसानों की आत्महत्या के खून से रंगे हुये हैं। कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार के चार सालों में 3500 से अधिक किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुये हैं, आखिर इसका जिम्मेदार कौन है?

****

भारतीय जनता पार्टी किसानों की भलाई, उनके जीवन स्तर में सुधार और उनकी आय को दुगुना करने के लिए संकल्पबद्ध है और मोदी सरकार इस दिशा में तेज गति से कार्य कर रही है

****

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य लागत मूल्य का डेढ़ गुना करने का निर्णय लिया है जो एक क्रांतिकारी कदम है, इससे देश के करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचेगा

****

विगत पांच वर्षों के शासनकाल में सिद्धारमैया सरकार ने भ्रष्टाचार के अलावे कुछ भी नहीं किया है, सिद्धारमैया सरकार भ्रष्टाचार की प्रतीक बन चुकी है

****

राहुल गांधी जी, आप मोदी सरकार के चार सालों का हिसाब मांग रहे हैं लेकिन कर्नाटक की जनता आपसे कांग्रेस पार्टी की चार पीढ़ियों के शासन और सिद्धारमैया सरकार के चार सालों के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है

****

मोदी सरकार ने कर्नाटक को 14वें वित्त आयोग में 2,19,000 करोड़ रुपये आवंटित करने के साथ-साथ विभिन परियोजनाओं में 80,000 करोड़ रुपये अलग से दिए गए हैं लेकिन कर्नाटक लागातार विकास में पीछे की ओर जा रही है और इसका एकमात्र कारण है सिद्धारमैया सरकार

****

राहुल गांधी को लगता है कि सिद्धारमैया कांग्रेस पार्टी की डूबती नैया को पार ले जायेंगे लेकिन सिद्धारमैया तो खुद अपनी सीट छोड़ कर सुरक्षित सीट की तलाश में इधर-उधर भाग रहे हैं, वे भला अपनी पार्टी को कहाँ से बचा पायेंगे

****

कर्नाटक की जनता सिद्धारमैया की वोटबैंक, तुष्टीकरण और नफरत की राजनीति से तंग आ चुकी है, वे जहां से भी चुनाव लड़ें, राज्य की जनता उन्हें अपने वोट के माध्यम से कड़ा सबक सिखाएगी

****

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी ने आज कर्नाटक के श्रृंगेरी एवं मुदिगेरे (चिकमंगलूर) और हासन के अरकलागुदु में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और राज्य की जनता से कर्नाटक को मॉडल स्टेट बनाने के लिए भाजपा की पूर्ण बहुमत की येदुरप्पा सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आज श्री श्रृंगेरी शारदा पीठम मठ और बलेहोन्नूर मठ गए और संत जनों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री शाह ने राज्य में सुपारी और कॉफी उत्पादक किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुये कहा कि **भारतीय जनता पार्टी की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने सुपारी और कॉफी उत्पादक किसानों की भलाई के लिये कई कदम उठाये हैं।** उन्होंने कहा कि प**हले सुपारी की मिनिमम सपोर्ट प्रैस केवल 163 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जिसे मोदी सरकार ने बढ़ा कर 251 रुपये प्रति किलोग्राम करने का काम किया।** उन्होंने कहा कि **हमारे सुपारी किसानों को अच्छा रेट मिले, इसलिए मोदी सरकार ने सुपारी के इम्पोर्ट पर 100% कस्टम ड्यूटी लगाई है।** उन्होंने कहा कि **मोदी सरकार ने आजादी के बाद पहली बार 2017 में MIS के तहत सुपारी की खरीद करने का काम किया है।** उन्होंने कहा कि **भारतीय जनता पार्टी अपने घोषणापत्र में इस बात को लाने वाली है कि राज्य में बनने वाली येदुरप्पा सरकार कर्नाटक में सुपारी के औषधीय गुणों पर रिसर्च के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से एक रिसर्च सेंटर स्थापित करेगी।**

कॉफी किसानों की समस्या पर प्रकाश डालते हुये भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **कर्नाटक में कॉफी के बगीचे भी सूखते जा रहे हैं लेकिन सिद्धारमैया सरकार सो रही है।** उन्होंने कहा कि **कॉफी उत्पादक किसानों की भलाई के लिए भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि कर्नाटक में येदुरप्पा सरकार बनने पर चिकमंगलूर में हर साल इंटरनेशनल कॉफ़ी व्यापार मेले का आयोजन किया जाएगा।**

कर्नाटक में किसानों की बदहाल हालत का जिक्र करते हुये श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए कई कदम उठाये हैं लेकिन कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार मोदी सरकार की किसान-कल्याण योजनाओं को जनता तक पहुँचने नहीं देती। उन्होंने कहा कि **सिद्धारमैया सरकार के हाथ राज्य के किसानों की आत्महत्या के खून से रंगे हुये हैं।** उन्होंने कहा कि **कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार के चार सालों में 3500 से अधिक किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुये हैं, आखिर इसका जिम्मेदार कौन है?** उन्होंने कहा कि देश में जिन-जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार होती है, वहां किसानों की आत्महत्या दर बढ़ती है और जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, वहां किसानों की आत्महत्या दर में भारी गिरावट दर्ज की जाती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की सरकार

बनने पर किसानों की आत्महत्या दर में **30%** से अधिक की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया सरकार किसान विरोधी सरकार है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि **भारतीय जनता पार्टी किसानों की भलाई, उनके जीवन स्तर में सुधार और उनकी आय को दुगुना करने के लिए संकल्पबद्ध है और मोदी सरकार इस दिशा में तेज गति से कार्य कर रही है।** उन्होंने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य लागत मूल्य का डेढ़ गुना करने का निर्णय लिया है जो एक क्रांतिकारी कदम है, इससे देश के करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचेगा।** उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी इस देशा में कांग्रेस ने कभी भी नहीं सोचा।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कर्नाटक का भला कभी नहीं कर सकती क्योंकि वह भ्रष्टाचार की पोषक है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के विकास के लिए जो भी पैसा मोदी जी भेजते हैं, वह राज्य के विकास कार्यों में लगने के बजाय सिद्धारमैया सरकार और कांग्रेसी नेताओं के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि **कर्नाटक के विकास के लिये राज्य से सिद्धारमैया सरकार का जाना आवश्यक है और यह केवल भारतीय जनता पार्टी की येदुरप्पा सरकार ही कर सकती है।** उन्होंने कहा कि **जनता दल (सेक्युलर) केवल कुछ वोट काट सकती है, वह कर्नाटक को सिद्धारमैया के कुशासन, भ्रष्टाचार, वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति से निजात नहीं दिला सकती।** उन्होंने कहा कि **कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं।** उन्होंने कहा कि **कर्नाटक की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' के प्रति अटूट आस्था जताते हुए श्री येदुरप्पा जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का मन बना लिया है।** उन्होंने कहा कि कर्नाटक में **विगत पांच वर्षों के शासनकाल में सिद्धारमैया सरकार ने भ्रष्टाचार के अलावे कुछ भी नहीं किया है, सिद्धारमैया सरकार भ्रष्टाचार की प्रतीक बन चुकी है।**

राहुल गांधी और सिद्धारमैया के दुष्प्रचार पर करारा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने कर्नाटक के विकास के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेसी सरकार की तुलना में कहीं ज्यादा काम किया है लेकिन कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार के चार सालों के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि रा**हुल गांधी जी, आप मोदी सरकार के चार सालों का हिसाब मांग रहे हैं लेकिन कर्नाटक की जनता आपसे कांग्रेस पार्टी की चार पीढ़ियों के शासन और सिद्धारमैया सरकार के चार सालों के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है।** उन्होंने कहा कि **मोदी सरकार ने 13वें वित्त आयोग में सोनिया-मनमोहन सरकार द्वारा आवंटित 88,000 करोड़ रुपये की तुलना में 14वें वित्त आयोग में 2,19,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की है।** उन्होंने कहा कि **इसके अतिरिक्त मोदी सरकार ने विभिन्न परियोजनाओं में कर्नाटक को 80,000 करोड़ रुपये अलग से दिए गए हैं लेकिन कर्नाटक लागातार विकास में पीछे की ओर जा रही है और इसका एकमात्र कारण है सिद्धारमैया सरकार।**

श्री शाह ने कहा कि **राहुल गांधी को लगता है कि सिद्धारमैया कांग्रेस पार्टी की डूबती नैया को पार ले जायेंगे लेकिन सिद्धारमैया तो खुद अपनी सीट छोड़ कर सुरक्षित सीट की तलाश में इधर-उधर भाग रहे हैं, वे भला अपनी पार्टी को कहाँ से बचा पायेंगे।**

उन्होंने कहा कि **कर्नाटक की जनता सिद्धारमैया की वोटबैंक, तुष्टीकरण और नफरत की राजनीति से तंग आ चुकी है, वे जहां से भी चुनाव लड़ें, राज्य की जनता उन्हें अपने वोट के माध्यम से कड़ा सबक सिखाएगी।**

(महेंद्र पांडेय)

कार्यालय सचिव